आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :312 पृष्ठ -4 दिनांक 14 नबम्बर 2024 दिन गुरूवार

यूपी में लोक सेवा आयोग के खिलाफ छात्रों में भारी आक्रोश

पीसीएस और समीक्षा अधिकारी जैसी परीक्षाओं में बदलाव का छात्र विरोध कर रहे .

प्रयागराज – उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से होने वाली पीसीएस और समीक्षा अधिकारी जैसी प्रमुख परीक्षाओं में बदलाव को लेकर तैयारी कर रहे छात्रों ने लोक सेवा आयोग पहुंचकर जमकर विरोध किया. इस दौरान लगभग 30 हजार की संख्या में प्रतियोगी छात्र पहुंच गए. हालांकि 11 नवंबर को महा धरना की पहले से ही आयोग को सूचना थी, जिसको लेकर इसके चारों ओर भारी बेरीकेडिंग कर दी गई थी. लेकिन छात्र इस वेरीकेडिंग को तोड़ते हुए आगे बढ़ गए और गेट पर बैठकर धरना देने लगे.क्यों कर रहे वन शिफ्ट वन एग्जाम की मांग प्रतियोगी छात्रों ने लोकल 18 से बात करते हुए बताया कि पहले कभी भी पीसीएस और समीक्षा अधिकारी जैसी परीक्षा दो दिनों में नहीं आयोजित हुई है. आयोग के द्वारा या जानबूझकर नियमों में बदलाव किया जा रहा है. 2 दिन एग्जाम कराए जाने को लेकर छात्रों ने कहा कि इससे जहां परीक्षा की मौलिकता खत्म होगी वहीं प्रश्नों का सरल और कठिन होने में भी समस्या पैदा हो जाएगी. सम सामयिक विषय में कौन सा प्रश्न कठिन होगा, कौन सा सरल होगा इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता. उदाहरण के तौर पर पहले शिफ्ट में मराठों का संघर्ष पूछ ले और दूसरे शिफ्ट में मैसूर का युद्ध इस विषय में कौन किसके लिए कठिन है इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता. क्योंकि यह गणित के सूत्र पर आधारित नहीं है.कोई नेतृत्व कर्ता नहींलगभग 30 हजार की संख्या में कोई भी नेतृत्व करता सामने नहीं आ रहा है. हर छात्र इसमें नेतृत्व करता दिखाई पड़ रहा है. वनडे वन शिफ्ट और नॉर्मलाइजेशन के विरोध में दिनभर भारी संख्या में छात्र डटे रहे वहीं रात को भी जिलाधिकारी और कमिश्नर से भी इनकी बातचीत हुई, लेकिन कोई हल नहीं निकला. छात्र हरेंद्र का कहना है कि सरकार युवाओं की भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ कर रही है. इससे पहले 17 मार्च को पीसीएस की परीक्षा होनी थी, लेकिन समीक्षा अधिकारी का पेपर लीक होने की वजह से इसे 24 अक्टूबर को होना था, लेकिन आयोग की ओर से परीक्षा के बीच में ही नियम में बदलाव किए जा रहे हैं, जिसको सुप्रीम कोर्ट भी खारिज कर चुका है. हालांकि अभी आयोग की तरफ से कोई सूचना जारी नहीं हुई है. न ही द्विपक्षीय वार्ता में कुछ निष्कर्ष निकाल पाया है.

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम रोक के बाद मायावती बोलीं– अब आतंक की छाया समाप्त

देश में बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने इस फैसले के समर्थन में बड़ी बात कही है.सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्यों में बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाए जाने के फैसले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है. बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी है.सोशल मीडिया साइट एक्स पर मायावती ने लिखा– माननीय सुप्रीम कोर्ट के बुलडोजर विध्वंसों से जुड़े आज के फैसले व तत्सम्बंधी कड़े दिशा–निर्देशों के बाद यह उम्मीद की जानी चाहिए कि यूपी व अन्य राज्य सरकारें जनहित व जनकल्याण का सही व सुचारू रूप से प्रबंधन करेंगी और बुलडोजर का छाया आतंक अब जरूर समाप्त होगा.

पुलिस से चार कदम आगे लुटेरे बराती बनने वाले थे पुलिसकर्मी,टप्पेबाज बने वर्दी वालेय लूट ले गए छह लाख के गहने

शादियों के सीजन में पुलिस के सुरक्षा के दावों के बीच वारदात रुक नहीं रही हैं। कमला नगर में मंगलवार दोपहर सेंट्रल बैंक रोड पर वारदात हुई। बाइक सवार चार टप्पेबाजों ने पुलिसकर्मी बनकर आढ़त व्यापारी अशोक कुमार और उनकी पत्नी से छह लाख के गहने लूट लिए। व्यापारी को कागज की पुड़िया में नकली गहने और पत्थर देकर फरार हो गए।नटराज पुरम निवासी अशोक कुमार पोपली की मोतीगंज में आढ़त है। उनके भाई भारत भूषण गप्पी ने बताया कि वह दोपहर 1रू30 बजे भाई–भाभी नीलम के साथ स्कूटी से मंदिर जाने के लिए निकले थे। सेंट्रल बैंक मार्ग पर बाइक सवार दो लोगों ने रोक लिया। स्कूटी साइड में लगवाने के बाद बोले कि आपने हेलमेट नहीं पहना है। रोजाना हादसे हो रहे हैं। फिर भी नियम तोड़ रहे हो। उन्होंने उनसे पूछा कि आप कौन हो। इस पर खुद को पु. लिसकर्मी बताने लगे।व्यापारी हेलमेट पहनने की कहने लगे। तभी दूसरे युवक ने कहा कि रोजाना लूट की वारदात हो रही हैं। इसके बावजूद गहने पहनकर जा रहे हो। एक कार की तरफ इशारा करते हुए कहा कि यह पकड़ी है। इसमें भी लोग गहने पहने हुए थे। उनके उतरवा दिए हैं। तभी एक युवक आता है, कहता है कि गहने उतार दिए हैं। आरोपियों ने तीसरे साथी से एक पुड़िया बनाकर उसे दिलवा दी। कहा कि आगे से गहने इस तरह से मत पहनना। वह चला गया। बाद में व्यापारी और उनके पत्नी से भी गहने उतरवा लिए। उन्होंने अशोक कुमार से दो अंगूठी, जबकि नीलम से 4 अंगूठी, 4 चूड़ी, दो कड़े उतरवा लिए। बाद में कागज की पुड़िया बनाकर दे दिया। जाते समय कहा कि पुड़िया को घर जाकर ही खोलना। व्यापारी को शक हो गया। कुछ दूरी पर पुड़िया खोली तो उसमें दो नकली कड़े और पत्थर निकले। घटना की जानकारी पर विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल पहुंच गए। उन्होंने पुलिस आयुक्त से बात की। घटना का खुलासा जल्द से जल्द कराने के लिए कहा।

मशहूर यूटूबर यश प्रजापति की सड़क दुर्घटना में हुई मौत, तेज रफ्तार बाइक होने के कारण हुआ हादसा

उत्तराखंड के ऋषिकेश में एक दर्दनाक सड़क हादसे में यूटूबर यश प्रजापति की मौत हो गई. जबकि उसका दोस्त ऋषि कुशवाहा गंभीर रूप से घायल हो गया है. जानकारी के अनुसार, यह हादसा ऋषिकेश के रामा पैलेस के निकट देर रात हुआ, जब यश प्रजापति निवासी कैनाल रोड, श्यामपुर, अपने दोस्त ऋषि कुशवाहा के साथ बाइक पर इंद्रमणि बडोनी चौक की ओर जा रहा था. इसी दौरान उनकी बाइक एक तेज रफ्तार कार से टकरा गई, जिससे बाइक के परखच्चे उड़ गए.घटना में यश प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई.जबकि गंभीर रूप से घायल ऋषि कुशवाहा को स्थानीय लोगों ने तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचाया.अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद,ऋषि की हालत गंभीर होने पर उसे एम्स, ऋषिकेश रेफर कर दिया गया, जहां फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर बनी हुई थी. लेकिन कुछ देर बाद मौत हो गई. ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने यश प्रजापति के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है. दुर्घटना के कारणों की हो रही गहन जांचमिली जानकारी के अनुसार बाइक की रफ्तार काफी तेज थी और तेज गति के कारण बाइक पर नियंत्रण खोने से यह हादसा हुआ. पुलिस इस मामले में वाहन चालकों की लापरवाही और दुर्घटना के कारणों की गहन जांच कर रही है. मृतक यश प्रजापति एक यूटूबर था, जो अपनी बाइक राइडिंग के वीडियो यूट्यूब पर साझा करता था. उसके वीडियो को काफी लोग देखना पसंद करते थे, और अपनी राइडिंग स्किल्स से उसने काफी फॉलोअर्स भी बना लिए थे. यश की मौत की खबर से उसके प्रशंसकों और दोस्तों में शोक की लहर है.सुरक्षा नियमों का पालन करेरू पुलिस पुलिस इस बात का भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि दुर्घटना के समय बाइक की रफ्तार कितनी अधिक थी और क्या यश और ऋषि ने हेलमेट पहना हुआ था या नहीं. सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के बावजूद, ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, जो सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी का परिणाम हैं. पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि सड़क पर तेज रफ्तार और लापरवाही से बचें और सुरक्षा नियमों का पालन करें.यश के शव का होगा पोस्टमार्टम सोशल मीडिया पर यश के फॉलोअर्स भी इस दुर्घटना से दुखी हैं और उसके प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं.यश ने कम समय में अपनी अनोखी राइडिंग स्टाइल से लोकप्रियता हासिल की थी. लेकिन इस हादसे ने उसके जीवन को समय से पहले ही समाप्त कर दिया. ऋषिकेश पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और दुर्घटना के असल कारणों का पता लगाने के प्रयास कर रही है. पुलिस ने बताया कि यश के शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा और उसके बाद शव परि. जनों को सौंप दिया जाएगा.

थाने से गायब हुआ बरामद किया लाखों रूपये का सामान, 2 साल पहले मर चुके हेड कांस्टेबल पर लगा आरोप

उत्तर प्रदेश में जहां पुलिस अपराधियों और चोरों को पकड़ने के बड़े–बड़े दावे करती है वहीं राजधानी लखनऊ के हजरतगंज थाने से एक ऐसी खबर सामने आई है. जिसे सुनकर हर कोई हैरान हो जाएगा, क्योंकि थाने से ही लाखों की कीमत का माल गायब हो गया. इसका पूरा आरोप तत्कालीन मालखाना इंचार्ज हेड कांस्टेबल प्रिय कुमार त्रिपाठी पर लगा है.आपको जानकर आश्चर्य होगा कि जिस कांस्टेबल के खिलाफ शिकायत दर्ज हुआ है, उसकी मौत गंभीर बीमारी के चलते 2022 में हो गई थी. उनकी मौत के बाद से मालखाने को सील कर दिया गया था. साथ ही माल खाने का प्रभारी नहीं होने की वजह से मामलों में बरामद माल कोर्ट में पेश नहीं किया जा रहा था.पहले भी हो चुकी है चोरी थाने के मालखाने से सामान चोरी होने की खबर कोई नई बात नहीं है. इससे पहले भी चोरी हो चुकी है. प्रिय कुमार त्रिपाठी से पहले रहे मालखाना इंचार्ज रहे आशोक यादव पर मालखाने से 10 लाख रुपये गायब करने का आरोप लगा था.वहीं इसकी खबर इंस्पेक्टर को लगते ही उन्होंने आशोक के खिलाफ केस दर्ज करवाया था,जिसके बाद आशोक को गिरफ्तार उसकी जगह प्रिय त्रिपाठी को नया मालखाने का इंच. ार्ज बनाया गया था.कोर्ट ने जब थाने को भेजा था नोटिस हाईकोर्ट और विशेष जज ने हजरतगंज पुलिस को बार–बार कहा कि बरामद किए हुए माल को कोर्ट में पेश किया जाए, लेकिन हजरतगंज पुलिस सामान को पेश नहीं कर पा रही थी. हाईकोर्ट के बोलने के बावजूद भी पांचों मामलों के सबूत कोर्ट में पेश नहीं किए गए. इस पर कोर्ट ने ।ब्ब हजरतगंज को 24 जुलाई 2024 को नो. टिस भेजा था.जांच के बाद होगी कार्रवा. ईइंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि कमेटी की मौजूदगी में वीडियोग्राफी करते हुए मालखाने को खोला गया था. जब मालखाने को खोला गया तो सभी को होश उड़ गए. क्योंकि सभी कीमती समान उसमें से गायब थे. वहीं जांच में पाया गया कि पिछले मालखाने के इंच. ार्ज में यह सब सामान को गायब किया गया था.वहीं पूरे मामले में एडीसीपी मनीषा सिंह का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है, जांच के बाद विधिवत कार्रवाई की जाएगी.

यूपी के 75 जिलों में अपराधियों को सजा दिलाने में टॉप पर मेरठ लिस्ट में ये जिले भी शामिल

मेरठ में अपराधियों को सजा दिलाने में रिकॉर्ड बनाया है. इसी का नतीजा है कि यूपी में अपराधियों को सजा दिलाने में मेरठ नंबर बना है. इस आंकड़े ने मेरठ पुलिस की न सिर्फ हौसला अफजाई करने का काम किया है, बल्किअपराधियों की भी नींद उड़ा डाली है. हर तरफ इसी बात की चर्चा चल रही है कि मेरठ पुलिस ने वाकई कमाल करके दिखा दिया और प्रदेश में पहले नंबर का तमगा हासिल कर लिया है.यूपी में अपराधियों के खिलाफ पुलिस सख्त एक्शन में है. ऑपरेशन कनविक्शन के तहत अपराधियों को सजा दिलाने में पुलिस रात दिन एक कर रही है. ऑपरेशन कनविक्शन के तहत अपराधियों को सजा दिलाने की मामलों की यूपी स्तर पर अक्टूबर माह की समीक्षा की गई. यूपी के 75 जिलों का आंकड़ा जुटाया गया तो मेरठ पुलिस नंबर वन निकली. मेरठ में 201 मुकदमों में पुलिस ने मजबूत पैरवी की, जिसका ये नतीजा सामने आया कि 234 अपराधियों को सजा मिली. इसमें वो अपराधी भी शामिल हैं, जिन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई. अपराधियों को सजा दिलाने में पुलिस ने झोंकी ताकत23 मई 2008 को मेरठ के गुदडी बाजार में हुआ तिहरा हत्याकांड के बारे में जो भी सुनता है, उसकी रूह कांप जाती है. 22 साल के पुनीत गिरी, 27 साल के सुनील ढाका और 23 साल के सुधीर उज्ज्वल की मेरठ के गुदड़ी बाजार में बेरहमी से हत्या कर दी गई थी और तीनों के शव बागपत के बालैनी थाना इलाके की हिंडन नदी के पास कार से बरामद हुए थे. गुदड़ी बाजार के रहने वाले हाजी इजलाल ने अपने भाईयों और साथियों के साथ हत्याकांड को अंजाम दिया था. इनमें 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया. करीब 16 साल बाद हाजी इजलाल समेत 10 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई. वहीं 10 जुलाई 2017 को मेरठ के ही कोतवाली थाना इलाके की कसाईयों वाली मस्जिद के पास पार्षद आरिफ और उसके साथी शादाब की गोलियों से भूनकर हत्या के मामले में भी सजा सुनाई गई. सात सात बाद अदालत ने शारिक गिरोह के सात लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई. ये दोनों ही मामले सुर्खियों में थे. इसी के साथ ही कई अन्य मामलों में भी सजा सुनाई गई है. पश्चिमी यूपी का बिजनौर चौथे और सहारनपुर 13 वें नंबर पर रहा ऑपरेशन कनविक्शन के तहत जो आंकड़ा जारी हुआ है. उसमें मेरठ का पहला स्थान और बाराबंकी का दूसरा स्थान है, जबकि पश्चिमी यूपी का बिजनौर चौथे, सहारनपुर 13वें और मुजफ्फरनगर 18वें नंबर पर आया है. बिजनौर की बात करें तो वहां 111 मुकदमों में 143, सहारनपुर में 93, और मुजफ्फरनगर में 85 अपराधियों को सजा दिलाई गई है. इसी के साथ ही बुलंदशहर का 28वां और बागपत को 33वां स्थान मिला है. मेरठ की चर्चा हर तरफ की जा रही है क्योंकि मेरठ यूपी में नबर वन आया है. यूपी में अपराधियों को सजा दिलाने में मेरठ को नंबर वन स्थान मिलने पर एसएसपी डा. विपिन ताडा का कहना है कि ऑपरेशन कनविक्शन के तहत जो अक्टूबर माह के आंकड़े जारी किए गए, उसमें 234 अपराधियों को सजा दिलाई गई और मेरठ को प्रथम स्थान मिला है. उनका कहना है कि गंभीर अपराध और गंभीर अपराधियों के खिलाफ पुलिस की मजबूत पैरवी ने सख्त सजा दिलाई. इस कदम से न केवल अपराध की कमर टूटेगी बल्कि शांति व्यवस्था भी कायम होगी. ये एक स्वागत योग्य बात है. एसएसपी डा. विपिन ताडा ने कहा कि पुलिस की ये सख्ती जारी रहेगी और अपराध और अपराधियों की कमर तोड़ने का अभियान जारी रहेगा.

बरात लेकर जा रही बस की ट्रेलर से टक्कर, एक की मौत और 12 से अधिक घायल, अस्पताल में भर्ती

फतेहपुर जिले के चौडगरा कस्बे में बरात लेकर जा रही बस खड़े ट्रेलर में पीछे से टकरा गई। हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक घायल हो गए। वहीं, ट्रेलर और बस के चालक मौके से फरार हो गए। बरात इलाहाबाद के मुंडेरा से नोएडा जा रही थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों का अस्पताल में भर्ती कराया है।जानकारी के अनुसार, रात एक बजे बस हाईवे में कल्यानपुर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर मोड़ के पास बुधवार तड़के खड़े ट्रेलर में पीछे से टकरा गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी गोपालगंज व सीएचसी बिंदकी भेजा गया है। यहां से गंभीर हालत में घायलों को सदर अस्पताल रेफर किया गया है।ओवरटेक करने के चक्कर में हुआ हादसामौके पर मौजूद दूकानदार टायर मिस्त्री हासिम ने बताया कि ट्रेलर धीमी रफ्तार से ढाबा में रूकने जा रहा था। तभी तेज रफ्तार बस पीछे से टकराई थी, क्योंकि ओवरटेक की जगह पर एक ट्रक और था। इससे बस चालक को किसी तरफ जाने की जगह नहीं मिली और बस पीछे से जा टकराई। मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।नोएडा जा रही थी बरात, 23 सवारियां थीं सवार बताया जा रहा है कि नरेंद्र सिंह के पुत्र आर्मी में मेजर मंजीत सिंह की शादी थी। नरेंद्र सिंह गया बिहार के रहने वाले हैं। वर्तमान में बिश्नापुरी प्रयागराज में रहते हैं। बरात नोएडा के सेक्टर 25 जा रही थी। बुधवार आज तिलक था और गुरुवार 14 को शादी व शाम को रिसेप्शन का कार्यक्रम था। बस में 23 लोग सवार थे। हादसा तीन बजकर 40 मिनट का बताया जा रहा है।

इटावा हत्याकांड में नया मोड़ तलाकशुदा से कारोबारी का अफेयर!

इटावा सामूहिक हत्याकांड में नया मोड़ आ गया है। परिवार के मुखिया मुकेश कुमार वर्मा का दिल्ली की एक महिला से अफेयर था। रुपयों को लेकर भी परिवार में विवाद रहता था। मुकेश आर्थिक तंगी से घिर गया था। उसके कई लाख रुपये रिश्तेदारों पर थे, वो देने के लिए तैयार नहीं थे। मुकेश ने पत्नी और तीन बच्चों की हत्या की प्ला. निंग पहले ही कर ली थी। उसने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वो करवाचौथ वाले दिन ही खुदकुशी करना चाहता था, लेकिन उसे उसकी पत्नी रेखा ने रोक लिया था। रविवार को जब एक बार फिर मुकेश ने मरने की बात की तो पत्नी रेखा ने कहा था कि हमारे बाद बच्चों को कौन देखेगा, इसलिए उन्हें भी साथ लेकर मरने का फैसला किया गया। सा. `मवार को इटावा के लालपुरा में सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में कई तरह की चर्चाएं रहीं। हर कोई यह जानना चाहता था कि ऐसा क्या हो गया जो मुकेश ने इतनी बड़ी घटना को अंजाम दे दिया। मुकेश के कुछ करीबियों की माने तो कुछ साल पहले दिल्ली में मुकेश की किसी महिला से दोस्ती हो गई थी। इसकी जानकारी पत्नी को होने के बाद परिवार में तनाव की स्थिति रहने लगी थी। उक्त महिला दोस्त भी कई तरह से मुकेश को परेशान करती रहती थी। बताया जा रहा है कि महिला तलाकशुदा थी। हालांकि अभी तक की जांच पड़ताल में पुलिस ने ऐसे किसी भी तथ्य की जानकारी होने से इनकार किया है।आर्थिक तंगी से घिरा मुकेश बोला–जमीन बची न दुकान रिश्तेदारों ने हड़पा पैसा

आपको बता दें कि परिवार को खत्म करने के बाद मुकेश रेलवे ट्रैक पहुंचा और जान देने की कोशिश की, हालांकि उसे पकड़ लिया गया। मुकेश का स्वास्थ्य खराब होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां उसने बताया कि उसके 15 लाख रुपये करीबी रिश्तेदारों के पास हैं। जिसे वो दे नहीं रहे हैं। इस वक्त काम काज चल नहीं रहा था। जमीन भी नहीं बची थी। इस पर वही रिश्तेदार आए दिन ताने भी मारते थे। इससे वह काफी परेशान था। यह पूरी बात सुसाइड नोट में लिखकर सीओ सिटी को भेज दी है। बताया कि पत्नी और बच्चों को मारते हुए बहुत तकलीफ हो रही थी, लेकिन क्या करता मजबूर था। तानों से परेशान होकर यह कदम उठाया है। पत्नी और तीनों बच्चों को मौत के घाट उतारने के बाद मुकेश दिन भर की जो कहानी बता रहा है, वह भी किसी के गले नहीं उतर रही है। मुकेश का कहना है कि चारों की हत्या के बाद उसने पत्नी की दो अंगूठी अपने एक परिचित सराफ को बेची। उससे जो रुपये मिले उनसे दो लोगों का 15,700 रुपये का का उधार चुकाया। इस तरह से सोमवार का पूरा दिन बीता। इसके बाद रात नौ बजे रेलवे ट्रैक पर जाकर जान देने का फैसला किया। एसएसपी संजय वर्मा ने बताया सुसाइड नोट की जांच की जा रही है। तथ्य के आधार पर कार्रवाई होगी। भाई को भी किया था फोन, 16 लाख में बेची थी दुकानलाल. पुरा निवासी अखिलेश उर्फ लालू ने बताया कि वह छह भाई थे। इसमें सबसे बड़े भाई रत्नेश वर्मा एआरटीओ कॉलोनी के पास रहते हैं। इस मकान में राकेश, अवधेश, मुकेश और सबसे छोटे भाई रघुवेश का परिवार रहता है। मुकेश की गल्ला मंडी में दुकान थी, उसपर रघुवेश बैठते थे। रघुवेश की बीमारी के चलते 2021 में मौत हो गई थी। 2022 में मुकेश ने दुकान 16 लाख रुपये की बेच दी थीअखिलेश ने बताया कि मुकेश दिल्ली में मकान बनाकर रहने की बात कह रहा था। बड़े भाई रत्नेश ने बताया कि सोमवार को उनका जन्मदिन था। वह गाड़ीपुरा मोहल्ले में रह रहीं मां चंद्रकला से शाम को टीका कराने गए थे। शाम करीब छह बजकर 23 मिनट पर मुकेश ने फोन किया था। वह नीलकंठ मंदिर में थे, इस वजह से वह बात नहीं कर पाए थे। उन्होंने आगे बताया कि मुकेश पैसे से बहुत सक्षम था। वह अपने साथियों के साथ फ्लाइट से भी सफर करता था।पुलिस सुरक्षा में एक साथ उठीं चार अर्थियांशहर मोहल्ला लालपुरा में सराफ कारोबारी मुकेश वर्मा पारिवारिक कलह के चलते पत्नी रेखा (40), बड़ी बेटी (22), छोटी बेटी काव्या (16) व अभीष्ट (12) को नशीली गोली खिलाकर सभी का गला कस दिया। मंगलवार को कागजी कार्रवाई के सभी का पोस्टमार्टम करवाया गया। घटना की सूचना मिलते हो मोहल्लेवासी, रिश्तेदार समेत आसपास क्षेत्र के लोग इकट्ठा हो गए। पोस्टमार्टम के बाद शाम करीब पांच बजे शव पर पहुंचे तो लोगों का तांता लग गया। हर कोई शवों को देखना चाहता था।इससे पहले घर के बाहर एक साथ मां और उनके तीन बच्चों की एक साथ अर्थियां रखी देख हर कोई बस यही कह रहा था कि हंसता खेलता परिवार किस तरह से पल भर में खत्म हो गया। भीड़ को देखते हुए पुलिस भी मौजूद रही। रेखा की बहन राखी, भाई सतेंद्र, मां चंद्रकला समेत पूरे परिवार का रो–रोकर बुरा हाल था। राखी वहन से लिपट–लिपटकर रो रही थी यह क्या हो गया।मुकेश केभतीजे ऋषभ समेत परिवार के अन्य चारभतीजों ने एक–एक करके रेखा, भाव्या, काव्या व अभीष्ट की चिता को मुखाग्नि दी।

आगरा में जहां ठहरे थे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, वहां सजा दिया शादी का शामियानाय जलाई भट्टियां

आगरा में जिस जगह राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी रुके। जहां उनकी यादें बसी हैं। उस गांधी स्मारक में मंगलवार को शादी समारोह के लिए शामियाना सजा दिया गया। गैस की भट्टियां जलीं। मेहमानों की दावत के लिए खाना पक रहा था। गांधीवादियों ने आपत्ति जताई। नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल ने शादी समारोह को स्मारक में होने से रोका। दूसरी जगह पर समारोह हुआ।एत्मा. उद्दौला स्थित गांधी स्मारक नगर निगम की संपत्ति है। संपत्ति विभाग देखरेख करता है। शादी समारोह कर रहे परिवार ने बताया कि क्षेत्रीय पार्षद ने उन्हें यहां शादी करने के लिए कहा। पार्षद के पास ही स्मारक की चाबी रहती है। बदहाल पड़े इस स्मारक में शादी समारोह के बारे में गांधीवादियों का एक प्रतिनिधिमंडल सांसद रामजी लाल सुमन से मिला। उन्होंने नगर आयुक्त को फोन कर स्मारक में शादी समारोह आयोजित करने पर आपत्ति जताई। नगर आयुक्त ने एक टीम को जांच के लिए स्मारक भेजा। नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल ने बताया कि शादी का शामियाना वहां से हटवा दिया है। दूसरी जगह समारोह करने के लिए उस परिवार को कहा गया है। यह स्थल हमारी धरोहरसांसद रामजी लाल सुमन ने कहा राष्ट्रपिता से जुड़ी यादों को सहेजने की जगह नगर निगम स्मारक को क्षति पहुंचा रहा है। स्थानीय पार्षद को चाबी देने पर भी सांसद ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह स्थल हमारी धरोहर है। इसे किसी तरह से क्षति नहीं होने दी जाएगी। नगर आयुक्त का कहना है कि स्मारक के जीर्णोद्धार के लिए प्रस्ताव बनवाया जाएगा।

रांची में पत्नी संग वोट डालने पहुंचे धोनी

आगरा में पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से नाबालिग लड़कियों को काम दिलाने का लालच देकर फंसाया जाता है और देह व्यापार के धंधे में धकेला जा रहा है। एक बार इस धंधे में आने के बाद उन्हें लौटने का मौका नहीं दिया जाता। दलदल में फंसी लड़कियां घरवालों को बताती थीं कि सितारा होटल में काम करतीं हैं। बसई खुद स्थित एक मकान से मुक्त कराई गईं तीन युवती और दो किशोरियों ने पुलिस को काउंसिलिंग में यह जानकारी दी है। लड़कियों को वन स्टाप सेंटर भेजा गया है। वहीं पकड़े गए आठ ग्राहकों और तीन संचालिका को जेल भेजा गया।बसई खुद स्थित मुकुंद विहार में सोमवार रात पुलिस ने छापा मारा था। एक घर से आठ युवक के साथ पांच लड़कियों और तीन संचा. लिका पकड़ी गईं थीं। इन पांच लड़कियों में दो नाबालिग हैं। इनमें दो सगी बहनें भी हैं। नाबालिगों में एक मुंबई की जबकि दूसरी धौलपुर की है। दोनों एक सप्ताह पहले आगरा आई थीं। उन्हें काम दिलाने के बहाने फंसा कर बुलाया गया था। वहीं तीन अन्य दो महीने से इस धंधे में लगी थीं।लिस ने पकड़ी गईं युवतियों और किशोरियों की काउंसिलिंग की। उनका कहना था कि परिवार काफी गरीब है। पिता ज्यादा कमा नहीं पाते हैं। परिवार का खर्च नहीं चल पाता है। इस कारण परिवार की जिम्मेदारी उनके ऊपर आ गई है। इस कारण काम की तलाश में थीं। तभी उन्हें देह व्यापार में लगा दिया गया। इस बारे में परिवार के लोगों को जानकारी नहीं है।जब भी परिवार के लोग फोन पर कामकाज के बारे में पूछते थे, वो यही कहती थीं कि सितारा होटल में काम करती हैं। इससे परिवार वाले भी आश्वस्त रहते थे। जिस मकान में उन्हें रखा गया, वहां से बिना बताए कहीं नहीं जा सकती हैं। फोन करने की भी इजाजत नहीं थी। संचालिका परिवार के लोगों से बात कराती थी। इस दौरान वह उनकी सारी बातें भी सुनतीं थी।जहां लिखा था परिवार रहता है, वहीं हो रहा था देह व्यापार पुलिस ने जिस मोहल्ले में छापा मारा, वहां पर पहले भी कार्रवाई की गई थी। एक युवती को मुक्त कराया गया था। अब छापा मारा तो आरोपी संचालिका के मकान पर एक कागज पर प्रिंट कराकर लिखा गया था कि यहां पर फैमिली रहती है, ताकि पुलिस चेकिंग ना करे।

युवक ने अचानक से बनास नदी में लगाई छलांग, एनडीआरएफ की टीम ने 50 फीट की गहराई से शव निकाला

जिले के सावर क्षेत्र में ग्राम नापाखेड़ा के पास बनास नदी पुलिया से अचानक एक युवक मंगलवार को नदी में भरे पानी में कूद गया। पुलिस ने गोताखोरों के जरिये नदी में तलाश करवाई, मगर देर शाम तक कुछ पता नहीं चला। बुधवार को अजमेर से आई एनडीआरएफ की टीम ने 50 फीट की गहराई में जाकर शव को ढूंढकर बाहर निकाला।घटना के अनुसार केकड़ी जिले के सावर उपखंड क्षेत्र के ग्राम नापाखेड़ा के पास से बनास नदी निकल रही है। मंगलवार को अपराह्न नदी की पुलिया से गुजरने के दौरान एक युवक ने पानी से लबालब भरी नदी में छलांग लगा दी। युवक को नदी में कूदते हुए देखकर मौके से गुजर रहे राहगीर व वाहन चालक सहम गए और मौके पर भारी भीड़ हो गई, जिससे जाम के हालात बन गए।घटना की सूचना मिलने पर सावर पुलिस थाने के दीवान राजेन्द्र शर्मा मय पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंच गए और यातायात व्यवस्था को सुचारु करवाया। इधर क्षेत्राधिकार के लिहाज से मामला हनुमान नगर पुलिस थाना क्षेत्र का होने के कारण संबंधित थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने गोताखोरों के जरिए बनास नदी में कूदे युवक की तलाश करवाई लेकिन मंगलवार देर शाम तक युवक का पता नहीं चल सका।पु. लिस ने शुरुआती तौर पर अपने स्तर पर खोजबीन करने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर आखिरकार अजमेर से एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। एनडीआरएफ की टीम ने बुधवार को दूसरे दिन ऑक्सीजन सिलेंडर लगाकर 50 फीट की गहराई में जाकर युवक के शव को खोज निक. ाला।पुलिस के अनुसार जहाजपुर थानांतर्गत ग्राम मोतीपुरा निवासी युवक सोनू गुर्जर पुत्र लादूलाल गुर्जर मंगलवार को दोपहर बनास नदी में डूब गया था। जानकारी में सामने आया कि युवक ने छलांग लगाई थी। प्रथम दृष्ट्या मामला आत्महत्या का सामने आ रहा है। बताया गया कि मृतक शराब के नशे में था, तभी उसने छलांग लगाई। बताया गया कि उसकी पिछले साल ही शादी हुई थी। पुलिस की जानकारी के मुताबिक युवक सोनू अपने किसी साथी के साथ बाइक पर बैठकर पुलिया की ओर गया था। इस दौरान उसने पेशाब करने की बात कहकर बाइक रुकवाई और नदी में छलांग लगा दी। पुलिस ने शव का पा. `स्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। हनुमान नगर थाने के एएसआई महेंद्र सिंह ने बताया कि परिजनों ने नदी में कूदने की रिपोर्ट दी है, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

लोधी समाज के सामूहिक विवाह समारोह में 31 जोड़ों ने लिए सात फेरे, साक्षी महराज भी रहे मौजूद

आगरा फतेहाबाद रोड स्थित कलाल खैरिया शहनाईयों से गूंज रहा था बैंड बाजो की धुन पर बाराती नाच रहे थे 31 दूल्हे जब बारात लेकर निकले तो ऐसा लग रहा था जैसे जनकपुरी सज रही हो ये नजारा था अखिल भारतीय लोधी महासभा एवं लोधी विकास समिति द्वारा आयोजित 30वें सामूहिक विवाह समारोह का। 31 जोड़ों ने विधिवत रूप से सात फेरे लिए। आयोजन में मुख्य अतिथि सच्चिदानंद साक्षी महाराज सांसद उन्नाव, भाजपा जिलाध्यक्ष गिर्राज सिंह कुशवाह, चौधरी उदयभान सिंह,अत. रौली ब्लाक प्रमुख साहब सिंह राजपूत आदि मौजूद रहे।

मैरिज एनिवर्सरी पर पत्नी सुनीता के साथ कहां जा रहे हैं अरविंद केजरीवाल?

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ आज बुधवार (13 नवंबर) को अपनी शादी की सालगिरह के मौके पर तिरुपती बालाजी दर्शन करने के लिए जा रहे हैं. इस अवसर पर वे भगवान बालाजी के चरणों में शीश नवाकर देशवासियों की खुशहाली और समृद्धि के लिए प्रार्थना करेंगे.दरअसल, अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया साइट श्एक्सश पर पोस्ट कर यह जानक. ारी दी. उन्होंने लिखा, ष्अपनी शादी की सालगिरह के अवसर पर आज अपनी पत्नी सुनीता के साथ तिरुपति बालाजी मंदिर दर्शन करने जा रहा हूं. सबका मंगल हो!ष्अपनी शादी की सालगिरह के अवसर पर आज अपनी पत्नी सुनीता के साथ तिरुपति बालाजी मंदिर दर्शन करने जा रहा हूँ।सबका मंगल हो!यह यात्रा मेरे लिए बहुत विशेष है– अरविंद केजरी वाल इससे पहले पूर्व सीएम ने मीडिया से कहा था, ष्यह यात्रा उनके लिए बहुत विशेष है और वे भगवान बा. लाजी से दिल्लीवासियों की रक्षा, स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करेंगे. उनकी सरकार हमेशा दिल्लीवासियों के भले के लिए काम कर रही है और इस यात्रा के दौरान वे भगवान से आशीर्वाद लेने का अवसर प्राप्त करेंगे.ष्हाल ही में माता वैष्णो देवी का किया दर्शन केजरीवाल ने कहा, ष्तिरुपति बालाजी मंदिर में दर्शन के दौरान उनका मन पूरी तरह से शांति और आस्था से भरपूर होगा. इस यात्रा से उन्हें और उनके परिवार को आध्यात्मिक शांति मिलेगी और वे दिल्लीवासियों की भलाई के लिए और अधिक समर्पित होकर काम करेंगे. ष्हाल ही में आप सुप्रीमो केजरीवाल ने अपनी पत्नी सुनीता के साथ वैष्णो देवी का दर्शन किया था. इस दौरान उनके साथ अन्य सहयोगी मौजूद रहें.

शिक्षा की शक्ति गरीबी की बेड़ियां तोड़ने में सक्षम

कासगंज के गंजडुंडवारा में गौशाला रोड स्थित क्यू एच इंटर कालेज मे विद्यार्थियों के मार्गदर्शन को समाज मे मानक शिक्षा के महत्व और गरीबी उन्नमूलन पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं पूर्व प्रोफेसर पनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी,नई दिल्ली डॉ. सैयद एस. हुसैन मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कुतुब आलम ने किया। गोष्ठी के सम्बोधन से पूर्व सर्वप्रथम विधालय के प्रबंधक अब्दुल वकील अहमद ने मुख्य अतिथि का फूलो का गुलदस्ता भेट कर अभिनंदन किया। उन्होंने विधार्थियो का मार्गदर्शन करते हुए पूर्व वै. ज्ञानिक डॉ. सैयद एस. हुसैन ने कहाँ कि मै भी कस्बे के एच एन इंटर कालेज का छात्र रहा हूँ।केवल शिक्षा की शक्ति से ही मैंने जीवन मे सफलता प्राप्त की है,लेकिन समाज में बहुत से ऐसे लोग हैं ,जो शिक्षा के महत्व से परिचित नहीं हैं।शिक्षा हमें जागरूक बनाती है, हमारे सामाजिक और आर्थिक स्तर को ऊंचा उठाती है। शिक्षित व्यक्ति अपने आप का तो भला करता है ही साथ में वह अच्छे बुरे की परख आसानी से कर पाता है।शिक्षा से हमारे मानसिकता का ज्यादा विकास होता है।जिसके कारण शिक्षित व्यक्ति को रोजगार के कई अवसर प्राप्त होते हैं।जिससे वह अपने आर्थिक स्तर में सुधार ला सकता है।गरीबी उन्मूलन के लिए प्रत्येक इन्सान का शिक्षित होना अति आवश्यक हैं।अशिक्षित ही गरीब होते हैं।पढ़े–लिखे तो किसी तरह भी काम ढूंढ कर अपना जीवनयापन आसानी से कर सकते हैं।इसलिए जीवन मे पढना बहुत जरूरी हैं।इस दौरान उन्होन डा० एपीजी अब्दुल कलाम सहित कई महान लोगों के उदाहरण दिए।जिन्होने केवल शिक्षा के माध्यम से गरीबी की बेडियो को तोड़ नये आयाम स्थापित किए।उन्होने विधार्थिया को मोबाइल से दूरी एवं धर्म से नही केवल शिक्षा से वास्ता रखने की सलाह भी दी।

दिल्ली के संगम विहार में पुलिस के हत्थे चढ़ा बावरिया गैंग का हिस्ट्रीशीटर बिसनी, 14 साल से था फरार

दिल्ली साइबर सेल और क्राइम ब्रांच की टीम ने बावरिया गैंग के कुख्यात क्रिमिनल बिसनी उर्फ विक्की गिरफ्तार किया है. बिस्नी उर्फ विक्की (40) यूपी के शामली जिले का रहने वालाहै. उसे दिल्ली के अमर कॉलोनी और हजरत निजामुद्दीन थाना क्षेत्र में स्नैचिंग के दो मामलों में एलडी कोर्ट द्वारा अपराधी घोषित किया गया था. बावरिया गैंग से जुड़े बिसनी के खिलाफ उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा में दर्ज 16 अन्य मामले भी दर्ज हैं. आरोपी बिसनी ने दिल्ली में दो चेन स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम दिया था. उसके खिलाफ दी शिकायत में पीड़ित ने बतायाथा कि अज्ञात बाइक सवार दो लड़कों ने उनकी चेन छीन ली और मौके से फरार हो गए. 14 साल पहले हुआ था भगोड़ा घोषित दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज होने के बाद दोनों मामले की जांच की थी. दोनों मामले में आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया था. 28 जनवरी को 2010 को एलडी कोर्ट ने बिस्नी को भगोड़ा घोषित कर दिया था. 11 नवंबर 24 को हेड कांस्टेबल गौरव तोमर और मोहित को गुप्त सूचना मिली कि पीएस अमर कॉलोनी और पीएस हजरत निजामुद्दीन इलाके में दर्ज स्नैचिंग के दो मामलों में शामिल एक फरार अपराधी बिसनी उर्फ विक्की दिल्ली के संगम विहार इलाके में कहीं छिपा हुआ है. उसके बाद इंस्पेक्टर शिव राम और एसीपी पवन कुमार की देखरेख में आरोपी को पकड़ने के लिए एक टीम गठित की गई. सूचना के आधार पर 11 नवंबर को जांच टीम ने बिसनी के खिलाफ संगम विहार इलाके में जाल बिछाया. पुलिस ने बिसनी का गिरफ्तार कर लिया. उसके बाद धारा 35(1)(डी) बीएनएसएस के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू की और उसे एलडी कोर्ट में पेश किया. अपराध की दुनिया में इसलिए रखा कदम पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि उसने यूपी के शामली जिले में अपने गांव में 7वीं कक्षा तक पढ़ाई की है. अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए आ. सानी से पैसे कमाने के लिए उसने अपने गांव के अन्य लोगों के साथ मिलकर दिल्ली, यूपी और हरियाणा में चोरी और स्नैचिंग करना शुरू कर दिया. आरोपी बिसनी ने इस बात का भी खुलासा किया कि वह श्बावरिया गैंगश का सदस्य है और अपने गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर दिल्ली एनसीआर में कई अपराध कर चुका है. हत्या सहित 16 मामलों में आरोपी बता दें कि दिल्ली पुलिस ने क्रिमिनल बिसनी उर्फ विक्की को 2010 में चेन स्नैचिंग के दो मामलों में 'हिस्ट्रीशीटरश घोषित किया था. बिस्नी कुख्यात 'बावरिया गैंग' का चर्चित इंटर स्टेट क्रिमिनल है. उसे दिल्ली, यूपी और हरियाणा में हत्या के प्रयास, डकैती, स्नैि. चंग और चोरी आदि के 16 मामलों में शामिल पाया गया है.

ट्रेन में महिला से छेड़छाड़, विरोध पर पति को जमकर पीटा

दिल्ली से अलीगढ़ शादी समारोह में आ रही एक महिला के साथ पैसेंजर ट्रेन में छेड़छाड़ की गई। इसका विरोध करने पर अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर महिला के पति को आरोपियों बेल्टों से जमकर पीटा गया। इसके बाद उल्टा जीआरपी ने महिला के पति को ही थाने में बैठा लिया लेकिन बाद में समाजवादी पार्टी के नेताओं और लोगों के हंगामा पर महिला के पति को छोड़ा गया।महिला जेठ की शादी में शामिल होने आ रही थी। पीड़ित महिला ने बताया कि वह दिल्ली की निवासी है। महिला के चीखपुकार करने पर आरोपी वहां से भाग गएमहिला का आरोप है कि पैसेंजर ट्रेन में दिल्ली से सवार होने के बाद ही करीब पांच युवकों ने उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी। इसका विरोध करने पर उसके पति से भी गाली गलौज की गई। महिला का आरोप है कि इस दौरान सब कुछ होता देख कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं हुआ, लेकिन बाद में पुलिस को फोन मिलाने की धमकी देने पर आरोपी ट्रेन रुकने पर दूसरे डिब्बे में जाकर बैठ गए। महिला ने बताया कि जैसे ही ट्रेन अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर रुकी तो आरोपियों ने फिर से उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। जब उसके पति ने इसका विरोध किया तो उसे लात घूंसों और बेल्टों से बुरी तरह पीटा गया। इसके बाद महिला के चीखपुकार करने पर आरोपी वहां से भाग गए। महिला का आरोप है कि जीआरपी ने आरोपियों को पकड़ने की बजाय उसके पति को ही थाने में बैठा लिया।हंगामा होने पर जीआरपी ने खंगाले सीसीटीवी इस मामले की सूचना जैसे ही महिला ने अलीगढ़ में मौजूद अपने परिजनों को दी तो वहां भीड़ एकत्रित होना शुरू हो गई। मामले की जानकारी पर लोगों का गुस्सा बढ़ गया और जीआरपी थाने पर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा होता देख जीआरपी ने सीसीटीवी खंगालने शुरू कर दिए।वहीं सूचना परसमाजवादी पार्टी के नेता भी अपने कार्यकर्ताओं के साथ जीआरपी थाने पहुंच गए। बाद में हंगामा बढ़ते देख जीआरपी ने महिला के पति को छोड़ दिया और एक आरोपी के पकड़ने का दावा भी किया है।सपा नेता बोलेरू उत्तर प्रदेश में जंगल राजमहिला के साथ छेड़छाड़ और उसके पति से मारपीट की सूचना पर समाजवादी पार्टी के नेता अज्जू इश्हाक अपने कार्यकर्ताओं के साथ जीआरपी पहुंच गए। उन्होंने कहा कि एक तरफ योगसरकारमहिलाओं की सुरक्षा की बात करती है वहीं दूसरी तरफ ट्रेन में और रेलवे स्टेशन पर एक महिला के साथ छेड़छाड़ की जाती है और उसका विरोध करने पर उसके पति को पीटा जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने भी आरोपियों की बजाय महिला के पति को ही थाने में बैठा लिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस समय जंगल राज कायम है। भा. जपा नेता थाने में हंगामा करते हैं तोड़फोड़ करते हैं, तो ऐसी स्थिति में कानून व्यवस्था होना एक जुमले की तरह है। उन्होंने कहा कि महिला के पति को छुड़वा दिया गया है और एक आरोपी की भी गिरफ्तारी हो चुकी है।

हाथरस में दर्दनाक हादसा, टेंपो का अचानक टूटा एक्सल, पलटने से महिला की मौत

सिकंदराराऊ में बुधवार की दोपहर 12:30 बजे पुरदिलनगर रोड पर नहर के पास सिकंदराराऊ की तरफ आते टेम्पो का एक्सल टूटने से पहिया निकल गया। इससे टेंपो असंतुलित होकर साइड में पलट गया। हादसे में एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा है।जानकारी के अनुसार, हसायन के गांव नगला उदईया निवासी महिला कैलाशी देवी पत्नी राजबहादुर 50 वर्ष अपने गांव से टेंपो में बैठकर सिकंदरा राव सामान खरीदने के लिए आ रही थी। उनके साथ उनकी 10 वर्षीय नातनी भी थी।पुरदिलनगर से निकलने के बाद सिकंद्राराऊ की तरफ नहर के पास यकायक टेंपो का एक्सल टूटने से उसका पहिया निकल गया। टेंपो असंतुलित होकर साइड में पलटा। वहीं टेंपो के नीचे दबने से महिला की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद सिकंद्राराऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस ने टेंपो चालक को हिरासत में ले लिया है।

डीईओ ने धनीपुर मण्डी परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अलीगढ़ (जननायक सम्राट)जिला निर्वाचन अधिकारी विशाख जी0 द्वारा विधानसभा उप निर्वाचन 2024 के तहत खैर में 20 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए पोलिंग पार्टियों की रवानगी एवं 23 नवंबर को होने वाली मतगणना के दृष्टिगत धनीपुर मण्डी परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने अधिशासी अभियंता लोनिवि संजीव पुष्कर को निर्देशित किया कि सभी प्रकार की तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्वों को गंभीरता से लेते हुए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुरूप निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से जुड़े किसी भी कार्य में लापरवाही क्षम्य न होगी विधानसभा उप निर्वाचन–2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला मजिस्ट्रेट विशाख जी0 ने पुलिस, प्रशासनिक एवं लोनिवि के अधिकारियों के साथ बुधवार को धनीपुर मंडी पहुंच कराए जा रहे कार्यों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने खैर विधानसभा में होने वाले उप चुनाव के लिए होने वाली मतदानकर्मियों की रवानगी एवं मतगणना के लिए समुचित

व्यस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए रवानगी एवं मतगणना स्थल पर वैरी केटिंग, विद्युत, पेयजल, फर्नीचर, छाया एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मीडिया सेंटर कक्ष की तैयारियों के साथ ही डिजिटल स्क्रीन लगवाने, इंटरनेट व्यवस्था सहित मतगणना का. र्मिकों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं राजनैतिक दलों के प्रवेश व बैठने के संबंध में समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मतदान कर्मिकों की डिकोडिंग, मतदान सामग्री वितरण एवं मिलान, ईवीएम वितरण एवं जमा किए जाने के सबंध में आरओ एवं एआरओ टेबल पर निर्वाचन अभिकर्ताओं के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था किए जाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, एडीएम प्रशासन पंकज कुमार, एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट, एडीएम न्यायिक अखिलेश कुमार, एसपी ट्रैफिक मुकेश उत्तम, आरओ खैर व एसडीएम महिमा, पीडी डीआरडीए भाल चन्द त्रिपाठी, डीपीआरओ धनंजय जायसवाल, बीएसए राकेश कुमार, एआरटीओ प्रवेश कुमार, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार, मण्डी सचिव रामकुमार वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने नौरंगीलाल में मतदान कार्मिकों के प्रशिक्षण सत्र का किया निरीक्षण

अलीगढ़ (जननायक सम्राट) विधानसभा उपनिर्वाचन–2024 के लिए मतदान का. र्मिकों एवं पीठासीन अधिकारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण नौरंगीलाल इंटर कालेज में बुधवार से आरम्भ हो गया। नौरंगीलाल इंटर कालेज में बुधवार को दो पालियों में 656 मतदाता कर्मिकों को प्रशिक्षित किया गया। डीईओ विशाख जी0 ने बुधवार को संचालित प्रशिक्षण सत्र का निरीक्षण कर प्रशिक्षुओं एवं प्रशिक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए आवश्यक है कि प्रशिक्षण में समझाए जा रहे बिंदुओं को अच्छे से आत्मसात करें। आप सभी जितने अच्छे से प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, निर्वाचन उतनी ही सरलता से संपन्न होगा।जिला मजिस्ट्रेट विशाख जी0 ने कहा कि खैर विधानसभा में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए आवश्यक है कि मतदान कराने वाले कार्मिक पूरी तरह प्रशिक्षित एवं सम्पूर्ण मतदान प्रक्रिया से भिज्ञ हों। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को निर्देशित किया कि ईवीएम के सभी तकनीकी पहलुओं के साथ ही विभिन्न प्रपत्रों को भी अच्छे से समझ लें ताकि आप भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप मतदान संपन्न करा सकें।उन्होंने कहा कि सभी कार्मिकों को प्रथम प्रशिक्षण

प्राप्त कराया जा चुका है। जिलाधिकारी ने मतदान कार्मिकों के तकनीकी पहलुओं, मॉक पोल, ईवीएम की विभिन्न प्रकार की कैटेगरी एवं स्ट्रांग रूम सील किए जाने के दौरान रखी जाने वाली ईवीएम और फार्म 17सी के महत्व के बारे में मतदान कार्मिकों से सवाल–जवाब किए। उन्होंने प्रशिक्षकों को निर्देशित किया कि मतदान प्रतिशत संकलन एप के बारे में भी अच्छे से जानकारी प्राप्त कराएं। सभी कार्मिकों को व्हाट्सएप ग्रुप का सदस्य बनाएं ताकि प्रशिक्षण सामग्री एवं अन्य निर्देश उनको आसानी से प्राप्त हो सकें। प्रशिक्षण के दौरान सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, एडीएम प्रशासन पंकज कुमार, एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट, एडीएम न्यायिक अखिलेश कुमार, पीडी डीआरडीए भाल चन्द त्रिपाठी, डीपीआरओ धनंजय जायसवाल, डीआ. ईओएस डा0 सर्वदानंद, बीएसए राकेश कुमार सिंह, डा0 पी0 कुमार, मास्टर ट्रेनर शहाबुद्दीन समेत अन्य मास्टर ट्रेनर्स एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर भ्रामक, भड़काऊ पोस्ट एवं गलत सूचना डालने वालों पर है पैनी नजर, टीम कर रही निरंतर निगरानी

अलीगढ़ 13 नवंबर 2024 (सू0वि0)रू विधानसभा उप निर्वाचन 2024 के दौरान सोशल मीडिया पर भड़काऊ व भ्रामक पोस्ट एवं गलत सूचना डालने वालों की अब खैर नहीं है। उप निर्चाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढ़ंग से संपन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा पूर्व से ही सोशल मीडिया प्लेटफार्मर्स की सतत निगरानी के लिए टीम का गठन कर दिया गया है। गठित टीम 24 घण्टे फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, एक्स की निगरानी कर रही है।सोशल मीडिया टीम के सदर ईडीएम मनोज राजपूत ने गठित टीम के सदस्यों के साथ बैठक कर फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, एक्स एवं अन्य सोशल प्लेटफॉर्म की सघन मॉनिटरिंग के संबंध में उनको विभिन्न तौर–तरीकों के बारे में समय समय पर दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भ्रामक, भड़काऊ एवं कोई असत्य घटना प्राप्त होती है तो तत्काल उसे उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाया जाए। मनोज राजपूत ने कहा कि विधानसभा उप निर्वाचन को निष्पक्ष एवं बिना किसी व्यवधान के संपन्न कराने के लिए जिले में चौकसी बढ़ा दी गई है। उन्होंने जनमानस से भी अपील की है कि सोशल मीडिया पर न तो कोई आपत्ति. जनक सामग्री पोस्ट करें और न ही उसे आगे बढ़ाएं।सहायक निदेशक सूचना एवं सदस्य सचिव एमसीएमसी संदीप कुमार ने प्रिंटिंग प्रेस संचालकों से कहा है कि वह धारा 127 क में निहित प्राविधानों के अनुसार किसी भी निर्वाचन सामग्री पर मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें। इसके साथ ही राजनै. तिक दलों से कहा है कि विभिन्न समाच. ारपत्रों में प्रचार–प्रसार के लिए प्रकाशित, बल्क एसएमएस, ऑडियो–विजुअल डि. स्प्ले, लोकल चौनल, सिनेमा हॉल में प्रसारित की जाने वाली सामग्री का मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति से पी–सर्टिफिकेशन अवश्य प्राप्त कर लें।

अलीगढ़ से गाजियाबाद जाएंगे वकील, इस दिन करेंगे कूच, होगी महापंचायत

अलीगढ़ के अधिवक्ताओं के द्वारा गाजियाबाद कूच करने का मन बनाया है. अधिवक्ताओं का कहना है लंबे समय से अधिवक्ताओं के साथ बदसलूकी की जा रही है. यह घटनाएं हर रोज इजाफा कर रही है, जिसका विरोध अधिवक्ताओं के द्वारा किया जा रहा है. गाजियाबाद में अधिवक्ताओं के साथ हुई मारपीट को लेकर अधिवक्ताओं के द्वारा अलीगढ़ में बड़े प्रदर्शन किये. इस दौरान आज अधिवक्ताओं के द्वारा कठपुला रोड को पूरे तरीके से बंद कर दिया जमकर उनके द्वारा प्रदर्शन किया और नारेबाजी की.अधिवक्ताओं के द्वारा सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करते हुए गाजियाबाद की घटना पर आक्रोश व्याप्त किया है. अधिवक्ताओं का कहना है जब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा, तब तक यह प्रदर्शन ऐसे ही चलता रहेगा. अधिवक्ताओं के द्वारा 16 नवंबर को गाजियाबाद कूच करने का मन बनाया अधिवक्ताओं का कहना है 16 नवंबर को अलीगढ़ न्यायालय से तमाम अधिवक्ता गाजियाबाद के लिए प्रस्थान करेंगे वहां महापंचायत में पहुंचने के बाद उनके द्वारा जो निर्णय महापंचायत द्वारा लिया जाएगा, उसी को अमल में लाया जाएगा.अधिवक्ता सुरक्षा कानून लागू हो. फिलहाल अधिवक्ताओं के द्वारा अलीगढ़ में प्रदर्शन करते हुए गाजियाबाद की घटना में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है. अधिवक्ताओं का कहना है अधिवक्ता सुरक्षा कानून जब तक लागू नहीं होगा. तब तक ऐसे ही घटनाएं होती रहेगी. उनके द्वारा अधिवक्ता कानून लागू करने की मांग की है मौजूदा समय की अगर बात की जाए तो अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त नजर आ रहा है ,क्या बोले बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश सिंह पूरे मामले पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश सिंह के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया अधिवक्ताओं का हर रोज परेशान किया जा रहा है. उनके साथ मारपीट जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जाता है. लेकिन सुरक्षा कानून लागू न होने की वजह से अधिवक्ता निराश हो जाते हैं फिलहाल उनके द्वारा रूपरेखा तैयार की जा रही है, तब तक अधिवक्ता कानून लागू नहीं होगा, तब तक यह प्रदर्शन ऐसे ही चलता रहेगा. फिलहाल गाजियाबाद की घटना को लेकर प्रदेश भर के अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त नजर आ रहा है,जल्द ही अलीगढ़ के तमाम अधिवक्ता गाजियाबाद के लिए कूच करेंगे.

नौरंगीलाल इंटर कॉलेज में बनाया गया वोटर फैसिलिटेशन सेंटरबुधवार को 02 कार्मिकों को इलैक्शन ड्यूटी सर्टीफिकेट किए गए निर्गत

अलीगढ़ (जननायक सम्राट)अपर जिलाधिकारी न्यायिक एवं प्रभारी अधिकारी पोस्टल बैलेट ईटीपीबीएमएस अखिलेश यादव ने अवगत कराया है कि 71–खैर विधानसभा उप निर्वाचन–2024 के तहत ऐसे मतदान कार्मिक जिनका नाम खैर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में सम्मिलित है, को डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करने के लिए नौरंगीलाल इंटर कॉलेज मतदान प्रशिक्षण केंद्र पर वोटर फै. सिलिटेशन सेंटर की स्थापना की गई है। वोटर फैसिलिटेशन सेंटर में 16 नवम्बर तक चलने वाले मतदान प्रशिक्षण के दौरान प्रातः 10 बजे से सांय 5 बजे तक डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान किया जा सकता है।उन्होंने बताया कि ऐसे पात्र मतदाता जिन्होंने प्रारूप 12 पर आवेदन किया है और जो 71–खैर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता हैं, को निर्देशित किया गया है कि वह 14 व 16 नवम्बर को किसी भी दिवस अपने साथ वोटर आईडी या कार्यालय की आईडी एवं निर्वाचन ड्यूटी पत्र की छायाप्रति सहित वोटर फैसिलिटेशन सेंटर पहुॅचकर मतदान करना सु. निश्चित करें। उन्होंने बताया कि बुधवार को 02 कार्मिकों इलैक्शन ड्यूटी सर्टीफिकेट निर्गत किए गए हैं।

स्थायी लोक अदालत में पेशकार के पद के लिए 05 दिसंबर तक करें आवेदन

अलीगढ़ अपर जिला जज एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नितिन श्रीवास्तव ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जिले में स्थायी लोक अदालत में पेशकार के एक पद पर नियुक्ति के लिए 05 दिसम्बर 2024 की सांय 05 बजे तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए हैं।उन्होंने बताया कि जिला न्यायालय अथवा कलैक्ट्रेट न्यायालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अधिकतम 02 वर्ष के लिए 9000 रूपये के मानदेय पर स्थायी लोक अदालत में पेशकार के पद पर अनुबंधित किया जाना है। उन्होंने बताया कि पात्र एवं इच्छुक व्यक्ति अपना आवेदन पत्र, फोटो, जन्मतिथि, सेवानिवृत्ति की अभिप्रमाणित छायाप्रतियों सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में स्वयं अथवा पंजीकृत डाक से आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र के साथ आवेदक को दो लिफाफे संलग्न करने होंगे जिस पर 27–27 रूपये के डाक टिकट लगे हों।

गुरू नानक देव जी के अनमोल वचन जो बदल सकते हैं आपका जीवन

सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी का जन्मदिवस कार्तिक पूर्णिमा के दिन के मनाया जाता है. गुरु नानक सिख धर्म के प्रथम गुरु थे.इस दिन भारत सहित विश्व भर में गुरु नानक जयन्ती मनायी जाती है. साल 2024 में गुरु नानक जयंती 15 नवंबर, शुक्रवार के दिन मनाई जाएगी, यह गुरुनानक देव जी की 555वां जन्म वर्षगांठ होगी."नानक नाम जहाज है, जो चढ़े सो उतरे पार. ""इक ओआंकार सतनाम, करता पुरख निरंकार.""परमेश्वर एक ही है. उसका नाम सत्य है, उसका व्यक्तित्व रचनात्मक है और उसका रूप अमर है. वह भय रहित, शत्रुता रहित, अजन्मा तथा स्वयं प्रकाशित है. गुरु की कृपा से वह प्राप्त होता है."

हर साल दुनियाभर में अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस 14 नवंबर को मनाया जाता है

बाल दिवस हर वर्ष 14 नवंबर 2024 को मनाया जाता है। पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के दिन बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिन खासतौर से बच्चों के लिए होता है, जिसमें उनकी खुशियों, उनके अधिकारों और उनके उज्ज्वल भविष्य को संवारने के लिए जागरूकता फैलाई जाती है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य बच्चों के प्रति जागरूकता को बढ़ाना और उन्हें एक सुरक्षित, खुशहाल और शिक्षा से भरपूर जीवन देने की दिशा में कार्य करना है। आइए जानें बाल दिवस से जुड़ी पांच अहम बातें, जिन्हें हर बच्चे और बड़े को जानना चाहिए।बाल दिवस का इतिहास और महत्व भारत में बाल दिवस की शुरुआत पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन पर हुई, जिन्हें बच्चे 'चाचा नेहरू' के नाम से जानते थे। पंडित नेहरू को बच्चों से गहरा लगाव था और वे मानते थे कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनके विचार में बच्चों को एक अच्छी शिक्षा और स्वस्थ जीवन देने की आवश्यकता है, ताकि वे आगे चलकर समाज और देश की बेहतरी के लिए योगदान दे सकें।साल में दो बार मनाया जाता है बाल दिवस?1954 में, संयुक्त राष्ट्र ने 20 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस घोषित किया। हर साल दुनियाभर में अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस 20 नवंबर को मनाया जाता है। लेकिन भारत में इसे पंडित नेहरू की जयंती पर मनाने का निर्णय लिया गया।

बाल दिवस का उद्देश्य बाल दिवस का मुख्य उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें सुरक्षित वातावरण देना और उनकी शिक्षा व स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना है। बाल दिवस पर बच्चों के प्रति बढ़ते अत्याचार, बाल श्रम, और शिक्षा की कमी जैसी समस्याओं पर जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह दिन बच्चों की खुशियों के साथ–साथ उनके अधिकारों के प्रति समाज में जिम्मेदारी को भी बढ़ावा देने का प्रतीक है।पंडित नेहरू का बच्चों के प्रति दृष्टिकोण पंडित नेहरू का मानना था कि बच्चों को बचपन में सही मार्गदर्शन और प्यार दिया जाना चाहिए। उनके अनुसार, बच्चे बिना किसी भेदभाव के स्वतंत्र रूप से सीखने और बढ़ने का अधिकार रखते हैं। पंडित नेहरू हमेशा बच्चों के बीच जाकर उनके साथ समय बिताना पसंद करते थे, और उनका मानना था कि बच्चों में मासूमियत, सच्चाई, और निष्ठा होती है, जो बड़े लोगों को भी प्रेरणा देती है।बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता और जिम्मेदार बाल दिवस के माध्यम से बच्चों के अधिकारों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। जैसे कि उन्हें अच्छी शिक्षा का अधिकार, बाल श्रम से सुरक्षा, और एक सुरक्षित व प्यार भरे वातावरण में बढ़ने का अधिकार। भारत में बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए बाल संरक्षण कानून और संस्थाएँ कार्यरत हैं, जिनका उद्देश्य बच्चों के भविष्य को सुरक्षित बनाना है।

कार्तिक पूर्णिमा स्नान का सही और शुभ मुहूर्त क्या है?

हिन्दू धर्म में कार्तिक पूर्णिमा का विशेष महत्व होता है. इस दिन भगवान विष्णु), देवी लक्ष्मी और चंद्र देव की पूजा करने का विधान है. ऐसा करने से धन–संपदा और समृद्धि की प्राप्ति होती है. इस दिन पूजा–पाठ और दान–पुण्य करना बेहद शुभ माना जाता है. इसके अलावा पूर्णिमा के दिन स्नान–दान भी महत्वपूर्ण माना जाता है. कहते हैं कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है और शुभ फल प्राप्त होते हैं. तो आइए अब जान लेते हैं कि इस साल कार्तिक पूर्णिमा कब मनाई जाएगी और स्नान–दान के लिए शुभ मुहूर्त क्या रहेगा.कार्तिक पूर्णिमा सही तिथि और मुहूर्त क्या है कार्तिक पूर्णिमा के दिन किया गया दान–पुण्य अक्षयों फलों की प्राप्ति कराता है. इस साल कार्तिक माह पूर्णिमा तिथि का आरंभ 15 नवंबर, 2024 को सुबह 6रू19 बजे हो रहा है, जो 16 नवंबर 2024 को सुबह 2रू58 बजे तक रहेगा. वहीं पूर्णिमा उपवास के दिन चंद्रोदय का समय 15 नवंबर, 2024 को शाम 6रू51 बजे होगा. उदयातिथि पड़ने के कारण 15 नवंबर, 2024 को गंगा स्नान किया जाएगा. इस साल गंगा स्नान करके की सही तिथि और मुहूर्त क्या है कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने का शुभ मुहूर्त सुबह 4रू58 मिनट से लेकर सुबह 5 बजकर 51 मिनट तक है. वहीं सत्यनारायण पूजा का समय सुबह 6त्44 बजे से 10:45 बजे तक रहेगा. कार्तिक पूर्णिमा के दिन स्नान–दान का महत्व हिंदू धर्म में मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन श्रीहरि विष्णु जी स्वयं गंगाजल में निवास करते हैं. ऐसा कहा जाता है कि, कार्तिक पूर्णिमा पर किए गए दान–दक्षिणा का फल कई गुना होकर हमें वापस मिलता है. पूर्णिमा के दिन स्नान के बाद तिल, गुड़, घी, फल, अन्न, कपास, कंबल, वस्त्र आदि का दान करना चाहिए. इसके साथ ही जरूरतमंद को भोजन कराना चाहिए. अगर आप गंगा स्नान करने नदी या तालाब में नहीं जा रहे हैं तो घर पर ही नहाने के पानी में थोड़ा–सा गंगाजल डालकर, पवित्र नदियों का ध्यान करते हुए स्नान करे. ऐसा करने से भी शुभ फलों की प्राप्ति होती है.

दीपक में तुलसी की सूखी लकड़ी जलाने से क्या होता है?

तुलसी का विशेष धार्मिक महत्व है. आज के दिन तुलसी विवाह भी है. हिंदू मान्यता के अनुसार भगवान विष्णु के स्वरूप शालिग्राम और तुलसी माता के साथ विवाह हुआ था. तुलसी विवाह का पावन पर्व हिंदू धर्म में तुलसी के महत्व को दर्शाता है. धार्मिक ग्रंथों में तुलसी के पौधे को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है.तुलसी का धार्मिक और औषधीय महत्व किसी से छिपा नहीं है. यही कारण है कि इसे बेहद शुभ और पवित्र माना गया. वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में यदि तुलसी का पौधा हो तो घर में नक. ारात्मक ऊर्जा का प्रवेश नहीं होता है. तुलसी के उपाय कई प्रकार की बुरी बलाओं को भी टाल देते हैं, मान्यता है कि तुलसी की लकड़ी को दीपक में जलाने से कई प्रकार के लाभ प्राप्त होते हैं.बुरी नजर नहीं लगती हैदीपक में तुलसी की सूखी लकड़ी जलाने से परिवार को स्वास्थ्य लाभ मिलता है साथ ही बुरी नजर भी नहीं लगती है. इसके साथ तुलसी की लकड़ी जलाने से अन्य लाभ मिलते हैं जो इस प्रकार हैं–देवी देवताओं का आशीर्वाद मिलता है– दीपक में तुलसी की सूखी लकड़ी जलाने से घर की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है. कर्ज, अधिक खर्चे से निजात मिलती है और इसके अलावा सफलता के हजारों द्वार खुलते है.धन की कमी दूर होती है– घर में किसी को भी आर्थिक परेशानी का सामना नहीं पड़ता पूरा परिवार सदैव खुशहाल रहता हैं. परिवार में कमाने वाले लोगों की तरक्की होती है और किसी भी तरह के बुरी नजर से मुक्ति मिलती हैं.वातावरण शुद्ध होता है– दीपक में सूखी लकड़ी जलाने से वातावरण में मौजूद खतरनाक जीव भाग जाते हैं. इससे रोग नहीं सताते हैं और घर का माहौल भी शुद्ध और ताजगी से भरा रहता है.तुलसी का लकड़ी का अन्य प्रयोगनहाने के पानी में डालकर स्नान कर सकते हैं– तुलसी की लकड़ी बहुत पवित्र होती है जिसको नहाने के पानी में डालकर स्नान करने से नक. ारात्मकता दूर होती हैं और सकारात्मकता की ऊर्जा का संचार होता है. मानसिक शांति भी मिलती है.

कलियुग में राम नाम से कैसे पूरी कर सकते हैं मनोकामनाएं?

रामचरितमानस में तुलसीदास जी ने प्रभु श्रीराम के गुणों का बखान किया है, जिसमें वे मर्यादापुरूषोत्तम श्रीराम के बचपन से लेकर उनके राजा बनने तक की घटनाओं का सुंदर वर्णन किया है. तुलसीदास जी ने बताया है कि राम नाम लेने से बड़ा कुछ भी नहीं है. राम नाम लेने से बड़े से बड़ा पाप मिट जाता है. उन्होंने कलियुग में 'राम नाम' और राम कथा की महिमा को बताया है. राम नाम के जप से हनुमान जी प्रभु राम के सबसे बड़े भक्त हुए. हनुमान जी ने तो राम से बड़ा उनका नाम काशी नरेश से जुड़ी घटना से बता दी थी.तुलसीदास जी कहते हैं कि कलियुग में रामकथा सुनने से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी हो सकती है. राम कथा कलियुग में सभी मनोक. ामनाओं की पूर्ति करने वाली कामधेनु गाय के समान है, वहीं यह सज्जन लोगों के लिए सुंदर संजीवनी जड़ी बुटी की तरह है. राम कथा धरती पर अमृत वाली नदी के समान है, जन्म और मरण के भय से मुक्ति देने वाली है. लोगों के मन के भ्रम को दूर करने में सक्ष्म है. तुलसीदास जी आगे कहते हैं कि रामक. था असुरों की सेना के समान नरकों का नाश करने वाली और साधु समान देवताओं के कुल का हित करने वाली दुर्गा है. यह श्रीरसमुद्र रूपी संत समाज के लिए लक्ष्मी के समान है, वहीं पूरे विश्व का भार उठाने में पृथ्वी के समान है. राम कथा जीवों को मुक्ति देने के लिए काशी के समान ही है. यह प्रभु राम को तुलसी के समान प्रिय हेकलियुग में राम नाम का महत्वरामचरितमानस में तुलसीदास जी कहते हैं कि हनुमान जी ने राम नाम का स्मरण करके प्रभु श्रीराम को अपने वश में कर रखा है. नीच अजा. मिल, गज और वेश्या भी श्रीहरि के नाम के प्रभाव से मुक्त हो गए. मैं राम नाम की बड़ाई कहां तक कहूं, राम भी नाम के गुणों को नहीं गा सकते.कलियुग में राम का नाम उस कल्पतरु के समान है, जो मनचाहा पदार्थ देने में सक्ष्म है. राम नाम में मुक्ति का वास है, जिसका स्मरण करने मात्र से भांग सा निकृष्टतुलसीदास तुलसी के समान पवित्र हो गया. केवल कलियुग में ही नहीं, चारों युगों, तीनों कालों और तीनों लोकों में नाम का जप करके जीव शोकरहित हुए हैं. सभी पुण्यों का फल राम नाम में ही है.राम नाम से पाएं सभी मनोवांछित फल तुलसीदास जी बताया है कि सतयुग में ध्यान से, त्रेतायुग में यज्ञ से और द्वापर युग में पूजन से भगवान प्रसन्न होते हैं, लेकिन कलियुग केवल पाप की जड़ है, इसमें मनुष्यों का मन पाप से अलग होना ही नहीं चाहता है. ऐसे कलियुग में राम नाम ही कल्पवृक्ष है. जिसका स्मरण करते ही संसार के सब जंजालों का नाश हो जाने वाला है. कलियुग में राम नाम सभी मनोवांछित फल प्रदान करने वाला है. इस नाम का जाप करने से परलोक में भगवान का परमधाम प्राप्त होता है और इस लोक में सभी प्रकार से पालन और रक्षा करता है.कलियुग में न कर्म है, न भक्ति है और न ही ज्ञान है. राम नाम का ही एक आधार है. कलियुग में रामनाम बुद्धिमान और समर्थ हनुमान जी हैं. राम नाम श्रीनृसिंह भगवान है, कलियुग हिरण्यकशिपु है और राम नाम का जप करने वाले भक्त प्रहलाद के समान हैं, यह राम नाम देवताओं के शत्रुओं यानी कलियुग के दुर्गुणों को दूर करके जाप करने वालों का रक्षा करने वाला है.तुलसीदास जी बताते हैं कि आप अच्छे भाव से, बुरे भाव से, क्रोध से या आलस्य से, किसी भी प्रकार से राम नाम का जाप करते हैं तो 10 दिशाओं में कल्याण होता है.

देव दिवाली पर कब जलाएं दीपक? नोट कर लें शुभ मुहूर्त, लगेगी स्वर्ग की भद्रा

इस साल देव दीपावली 15 नवंबर शुक्रवार को है. देव दीपावली का पर्व कार्तिक पूर्णिमा को है, इसे देव दिवाली भी कहा जाता है. इस दिन काशी और प्रयागराज में गंगा नदी में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है. देव दीपावली के अवसर पर काशी में गंगा घाटों को दीयों से सजाते हैं और प्रदोष काल के समय में दीप जलाते हैं. इस दिन शाम के समय भगवान शिव की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं. श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. मृत्युञ्जय तिवारी से जानते हैं कि देव दीपावली पर दीपक जलाने का शुभ मुहूर्त क्या है? देव दीपावली के शुभ मुहूर्त कौन–कौन से हैं?देव दीपावली 2024 दीप जलाने का मुहूर्त कार्तिक पूर्णिमा तिथि की शुरूआत 15 नवंबर, शुक्रवार, सुबह 6 बजकर 19 मिनट सेकार्तिक पूर्णिमा तिथि की समा. प्तिरू 16 नवंबर, शनिवार, तड़के 2 बजकर 58 मिनट पर देव दीपावली पर दीपक जलाने का शुभ समयरू शाम 5रू10 बजे से शाम 7:47 बजेदेव दीपावली 2024 भद्रा कालदेव दीपावली के दिन भद्रा है. उस दिन भद्रा सुबह 6 बजकर 44 मिनट से शाम 4 बजकर 37 मिनट तक है. यह स्वर्ग की भद्रा है क्योंकि इसका वास स्वर्ग में है. इसका अशुभ प्रभाव पृथ्वी पर होता हैदेव दीपावली पर दीप जलाने का महत्वभगवान शिव ने जब त्रिपुरासुर राक्षस का वध करके उसके अत्याचार से देवताओं, ऋषियों, मनुष्यों को मुक्ति दिलाई तो सभी देवी और देवता कार्तिक पूर्णिमा को काशी आए. वहां पर उन्होंने शिव आराधना की और दीप जलाए. देव दीपावली को शाम के समय में शिव पूजा करने और दीप जलाने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं. शिव कृपा से कष्ट, रोग, दुख आदि से मुक्ति मिलती है.

पुत्र प्राप्ति के लिए यूपी के इस मंदिर में पूजा करते हैं लोग...माथा टेकते ही पूरी हो जाती है मन्नत!

पूजा–पाठ के लिए लोग दूर–दूर के मंदिरों में जाते हैं. कोई भगवान को सोना चढ़ाता है, तो कोई प्रसाद. लेकिन एक मंदिर ऐसा है जहां सिर्फ माथा टेकने से ही आपकी सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाएंगी. यूपी के मऊ जिले के फतेहपुर मंडाव मधुबन तहसील में स्थित मां बागेश्वरी पंचदेव मंदिर की कहानी भी कुछ ऐसी ही है. माना जाता है कि यहां आकर माता के दर्शन करने से भक्तों की सारी मुरादें पूरी हो जाती हैं.पुत्र प्राप्ति के लिए यहां पूजा करते हैं लोग लोकल 18 से बात करते हुए ग्राम प्रधान कुंवर श्याम नारायण सिंह ने बताया कि इस मंदिर का महत्व बहुत अधिक है. अगर कोई सच्चे मन से यहां आकर पूजा–पाठ करता है और मन्नत मांगता है, तो उसकी मुराद जरूर पूरी होती है. खासकर अगर किसी महिला को संतान नहीं हो रही है, तो यहां आकर सच्चे मन से प्रार्थना करने पर उसे पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है. नौकरी के लिए पूजा करने आते हैं लोग कुंवर श्याम नारायण सिंह ने यह भी बताया कि इस मंदिर में हर साल एक भव्य पूजा का आयोजन किया जाता है, जिसमें पूजा के बाद भंडारा भी होता है. मंदिर पर ग्रामीणों की इतनी आस्था है कि वे अपनी साल की कुछ कमाई अवश्य दान करते हैं. उनका मानना है कि माता भगवती की कृपा से गांव का हर परिवार संपन्न है. अगर किसी को नौकरी की इच्छा है, तो उसे इस मंदिर में आकर एक बार दर्शन जरूर करने चाहिए.लोगों की है अटूट आस्था गांव के लोग जब भी किसी काम से बाहर जाते हैं, तो पहले इस मंदिर में आकर माता भगवती के दर्शन करते हैं. उनका विश्वास है कि ऐसा करने से उनका काम सफल होता है. लोग दूर–दूर से यहां माथा टेक मन्नत मांगने आते हैं.

आवश्यकता है

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें –

अमित कुमार वर्मा –संम्पादक

मौः–8218049162,8273402499

जननायक सम्राट

हिन्दी साप्ताहिक

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित

सम्पादक–अमित कुमार वर्मा

सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा